बरसाने की गलियों मे इक मोर आ गया

बरसाने की गलियों मे इक मोर आ गया,
देख राधा देख तेरा चित चोर आ गया....

गले में इनके बैजंती माला,
बैजंती माला, बैजंती माला,
मुकुट सजाके चित चोर आ गया,
देख राधा देख तेरा चित चोर आ गया...

अंग मे इनके पीताम्बर विराजे,
पीताम्बर विराजे, पीताम्बर विराजे,
मुरली बजांदा चित चोर आ गया,
देख राधा देख तेरा चित चोर आ गया....

पैरो मे इनके प्यारे से घुंगरू,
प्यारे से घुंगरू, प्यारे से घुंगरू,
घुंगरू की खनक पे चित चोर आ गया,
देख राधा देख तेरा चित चोर आ गया.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29205/title/barsane-ki-galiyon-me-ik-mor-aa-gya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |